

SHRI MOHAN REDDY VENKAT RAMA BODANAPU

Shri BVR Mohan Reddy is the Founder and Executive Chairman of Cyient Limited, a global engineering and technology services company. A first-generation entrepreneur, he is widely recognized for laying the foundation of a new Sector- Engineering R&D within the IT industry of India. During the last two decades, he leads the Indian ER&D industry through various initiatives to make it a 522 billion revenue segment and the fastest growing sector within Indian IT industry. During 1980, Shri Reddy brought computer-aided design and manufacturing technology to the country that helped to enhance engineering productivity across government, defence and industry. A decade later, his company became an important cornerstone in the development of India's engineering R&D sector. By tirelessly championing the "Engineered in India" brand, Shri Reddy has helped to make India the preferred destination for global companies to source high-value design and engineering services.

2. Born on October 12, 1950. Shri Reddy earned his graduate degree in Mechanical Engineering from Andhra University and postgraduate degrees from the Indian Institute of Technology, Kanpur and the University of Michigan. His professional career has spanned the agricultural machinery, computer technology. computer-aided design and engineering services industries.

3. Shri Reddy founded Cyient in 1991 to create global opportunities for India's exceptional engineering talent. His vision has shaped the growth of the country's engineering R&D industry and made his company an acknowledged leader in design services. From aircraft engines to rail systems to medical equipment, Cyient has been a valuable partner in designing some of the world's most innovative products.

4. Shri Reddy served as Chairman of the National Association of Software Services Companies (NA SSCOM) for 2015-16 and has been engaged in key government-industry initiatives like Startup India, Make in India, Digital India and Skill India. Recognizing the importance of talent development, Shri Reddy has made notable contributions as Chairman, Board of Governors of the Indian Institute of Technology, Hyderabad; Board Director of the National Skills Development Corporation; and Board Member, NIIT University. As a Founding Director of T-Hub Telangana, the country's largest startup incubation center, he has also participated in developing India's ability to become a force of disruptive innovation. In order to promote Indo-German commerce and trade and also fulfill some of its consular duties, the Federal Republic of Germany in 2016, appointed Shri Reddy as Honorary Consul M Hyderabad for the States of Andhra Pradesh and Telangana. He also serves on the Board of LV Prasad Eye Institute, a renowned institution in the field of ophthalmology.

5. Shri Reddy is very passionate about social responsibility and set up the Cyient Foundation in 2004 to actively promote inclusive growth. The Foundation's 'Adopt-a-School programme works to improve the quality of education for 10,000 students across 14 schools in Telangana. It has also established 54 digital learning centers to help over 20,000 children improve their computer skills and 50,000 community members improve their digital literacy to succeed in an increasingly digital world. As Swachh Bharat Ambassador for the States of Telangana and Andhra Pradesh, Mr. Reddy participated in a major initiative to improve hygiene in schools under the "Swachh Telangana- Swachh Patashala' programme".

6. Shri Reddy is the recipient of an Honorary Doctorate (Ph.D.) from Jawaharlal Nehru Technological University; Honorary Degree of Doctor of Science (DSc) from Andhra University; and Doctor of Science (Honoris Causa) from KL University, Vijayawada. In 2011, he was conferred the "Distinguished Alumnus Award" by the Indian Institute of Technology. Kanpur as well as the "Leadership Award" from the American Society of Mechanical Engineers (CIE Division). In 2012, Shri Reddy received the Corporate Excellence award from the Indo-American Chamber of Commerce. In 2014, he was recognized for Excellence in Corporate Governance by the Institute of Company Secretaries of India. In 2016, Shri Reddy was conferred the Lifetime Achievement Award by Hyderabad Management Association.



श्री मोहन रेड्डी वेंकट रामा बोदानापु

श्री बी वी आर मोहन रेड्डी 'साइन्ट लिमिटेड', जोकि एक वैश्विक इंजीनियरिंग एवं टेक्नोलोजी सर्विसेज कंपनी है, के संस्थापक तथा कार्यकारी अध्यक्ष हैं। आप पहली पीढ़ी के उद्यमी हैं तथा आपको व्यापक रूप से भारत की सूचना प्रौद्योगिकी उद्योग के दायरे में एक नए सैक्टर-इंजीनियरिंग शोध एवं विकास की नींव रखने के लिए जाना जाता है। पिछले दो दशकों के दौरान आप भारतीय इंजीनियरिंग शोध एवं विकास उद्योग को विभिन्न पहलों के माध्यम से 522 अरब का राजस्व बनाने और भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी उद्योग में सबसे तेजी से विकास करने वाला सैक्टर बनाने हेतु इसका नेतृत्व कर रहे हैं। वर्ष 1980 के दौरान आप देश में कंप्यूटर सहायता प्राप्त डिजाइन एवं विनिर्माण प्रौद्योगिकी लाए जिसने सरकारी, रक्षा एवं उद्योग के क्षेत्र में इंजीनियरिंग उत्पादकता को बढ़ाने में मदद की। एक दशक के बाद आपकी कंपनी भारत के इंजीनियरिंग आर एंड डी के विकास में एक महत्वपूर्ण आधारशिला बनी। आपने ''इंजीनियर्ड इन इंडिया'' ब्रांड को अपने अथक प्रयासों से सर्वोपरि बनाकर भारत को उच्च गुणवत्ता की डिजाइन एवं इंजीनियरिंग सेवाओं के स्रोत हेतु वैश्विक कंपनियों को एक पसंदीदा स्थल बनाने में मदद की है।

2. आपका जन्म 12 अक्तूबर, 1950 को हुआ था। आपने अपनी मेकेनिकल इंजीनियरिंग में स्नातक की उपाधि आंध्र विश्वविद्यालय से और परास्नातक की उपाधियां भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, कानपुर तथा मिसीगन विश्वविद्यालय से प्राप्त कीं। आपका व्यावसायिक कॅरिअर कृषि मशीनरी, कंप्यूटर प्रौद्योगिकी, कंप्यूटर सहायता प्राप्त डिजाइन एवं इंजीनियरिंग सर्विसेज इंडस्ट्रीज तक फैला हुआ है।

3. आपने भारत की विशिष्ट इंजीनियरिंग प्रतिभा के लिए वैश्विक अवसर सृजित करने के लिए वर्ष 1991 में 'साइन्ट' की स्थापना की। आपकी दूरदर्शी सोच ने देश की इंजीनियरिंग आर एंड डी उद्योग के विकास को आकार दिया और अपनी कंपनी को डिजायन सर्विसेज में एक अभिस्वीकृत लीडर बनाया। वायुयान के इंजन से लेकर रेल प्रणालियों से लेकर चिकित्सा उपकरण तक साइन्ट विश्व के कुछ सर्वाधिक अभिनवकारी उत्पादों की डिजाइन तैयार करने में एक मूल्यवान हिस्सेदार रही हैं।

4. आपने 2015-16 में नेशनल एसोसिएशन ऑफ सॉफ्टवेयर सर्विसेज कंपनीज (एन ए एस एस सी ओ एम) के अध्यक्ष के रूप में सेवाएं प्रदान की और स्टार्टअप इंडिया, मेक इन इंडिया, डिजिटल इंडिया और स्किल इंडिया जैसी मुख्य सरकारी उद्योग की पहलों में सम्मिलित रहे हैं। प्रतिभा विकास के महत्व को समझते हुए आपने भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, हैदराबाद के बोर्ड ऑफ गर्वनर्स के अध्यक्ष; नेशनल स्किल्स डेवलपमेंट कारपोरेशन के बोर्ड डायरेक्टर तथा एन आई आई टी विश्वविद्यालय के बोर्ड सदस्य के रूप में उल्लेखनीय योगदान किया है। इस देश के सबसे विशाल स्टार्टअप इनक्यूबेशन सेंटर अर्थात टी-हब तेलंगाना के संस्थापक निदेशक के रूप में आपने भारत को एक तीव्र अभिनवकारी बल बनाने हेतु क्षमता को विकसित करने में भी अहम भागीदारी निभायी है। भारत-जर्मन वाणिज्य एवं व्यापार के साथ-साथ इसके कुछ वाणिज्य-दूत संबंधी कर्तव्यों को पूरा करने हेतु जर्मन के संघीय गणराज्य ने वर्ष 2016 में आपको आंध्र प्रदेश एवं तेलंगाना राज्यों के लिए मानद कंसूल एम हैदराबाद के रूप में नियुक्त किया है। आपने एल वी प्रसाद नेत्र संस्थान, जो कि नेत्र चिकित्सा विज्ञान के क्षेत्र में एक जाना-माना संस्थान है, के बोर्ड में भी अपनी सेवाएं दी हैं।

5. आप सामाजिक उत्तरदायित्व के बारे में बहुत ही उत्साही हैं तथा समावेशी विकास को सक्रियतापूर्वक प्रोत्साहित करने हेतु वर्ष 2004 में साइन्ट फाउन्डेशन की स्थापना की थी। इस फाउन्डेशन का 'अडॉप्ट-ए-स्कूल' कार्यक्रम, तेलंगाना में 14 विद्यालयों के 10,000 छात्रों के लिए शिक्षा की गुणवत्ता को सुधारने के लिए कार्य करता है। आपने 20,000 छात्रों को अपना कंप्यूटर कौशल उन्नत करने में तथा 50,000 सामुदायिक सदस्यों को एक बढ़ते हुए डिजिटल विश्व में सफल होने के लिए अपनी डिजिटल साक्षरता उन्नत करने में मदद करने हेतु 54 डिजिटल शिक्षण केन्द्र भी स्थापित किए हैं। तेलंगाना एवं आंध्र प्रदेश राज्यों के स्वच्छ-भारत के अग्रदूत के रूप में आपने ''स्वच्छ तेलंगाना-स्वच्छ पाठशाला'' कार्यक्रम के तहत् विद्यालयों में साफ-सफाई को बढ़ावा देने के लिए एक बड़े अभियान में हिस्सा लिया।

6. आपने जवाहरलाल नेहरू प्रौद्योगिकीय विश्वविद्यालय से मानद डॉक्टरेट (पीएचडी); आंध्र विश्वविद्यालय से डॉक्टर ऑफ साइंस की मानद उपाधि तथा के.एल. विश्वविद्यालय, विजयवाड़ा से डॉक्टर ऑफ साइंस की मानद उपाधि प्राप्त की। वर्ष 2011 में आपको भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, कानपुर द्वारा ''डिस्टिंग्विस्ड एलुमिनस अवार्ड'' के साथ-साथ अमेरिकन सोसायटी ऑफ मेकैनिकल इंजीनियर्स (सीआईई डिवीजन) के ''लीडरशिप अवार्ड'' से नवाजा गया। वर्ष 2012 में, इन्डो-अमेरिकन चैम्बर ऑफ कामर्स से आपको कारपोरेट एक्सीलेंस अवार्ड प्राप्त हुआ। वर्ष, 2014 में द इंस्टीट्यूट ऑफ कंपनी सेक्रेटरीज ऑफ इंडिया द्वारा आपको एक्सीलेंस इन कारपोरेट गवर्नेंस के लिए सम्मानित किया गया। वर्ष, 2016 में हैदराबाद मैनेजमेंट एसोसिएशन द्वारा आपको लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड से नवाज़ा गया।